319

उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम

व्यवसाय अध्ययन

भाग-1

राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त संस्थान) ए-24/25,
संस्थागत क्षेत्र, सेक्टर-62, नोएडा-201309 (उत्तर प्रदेश)
वेबसाइट् - www.nios.ac.in | टोल फ्री नंबर : 18001809393
ISO 9001:2015 प्रमाणित

© राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान National Institute of Open Schooling

प्रथम संस्करण 2021 First Edition 2021 (Copies)

ISBN (Book 1)

ISBN (Book 2)

सचिव, राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान, ए-24-25, संस्थागत क्षेत्र, सेक्टर- 62 नोएडा - 201 309 (उत्तर प्रदेश) द्वारा प्रकाशित। ..... द्वारा मुद्रित।

परामर्शदात्री समिति

प्रो. सरोज शर्मा
अध्यक्ष
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा, (उ.प्र.)

डॉ. राजीव कुमार सिंह
निदेशक (शैक्षिक)
राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान
नोएडा, (उ.प्र.)

पाठयचर्या समिति

प्रो किरण पंड्या
डीआरएस किरण और पल्लवी
पटेल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
(केपीजीयू), वडोदरा

डॉ. उमा सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर,
एआरएसडी
कॉलेज, डीयू

श्री अदिति रंजन राउत
उप निदेशक
(शैक्षिक),
एनआईओएस

सुश्री शिवानी नागरथ
कॉमर्स लेक्चरर, समर फील्ड स्कूल ,
कैलाश कॉलोनी, नई दिल्ली

डॉ.अनुप्रिया पांडे
सहायक प्रोफेसर, एसओएमएस,
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय

सुश्री अंशुल खरबंदा
सहायक निदेशक (शैक्षिक)
एनआईओएस

डॉ. रोहिणी सिंह
एसोसिएट प्रोफेसर, शहीद सुखदेव कॉलेज
ऑफ बिजनेस स्टडीज, डीयू

डॉ.कुमार बिजॉय
सहायक प्रोफेसर, शहीद सुखदेव कॉलेज
ऑफ बिजनेस स्टडीज, डीयू

पाठ लेखक

प्रो. गोपीनाथ
(सेवानिवृत्त) प्रमुख एवं डीन,
व्यवसाय प्रशासन विभाग,
डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय

डॉ. सोनाली आहूजा दुआ
एसोसिएट प्रोफेसर,
गार्गी कॉलेज, डीयू

डॉ. नंदिता मिश्रा
वरिष्ठ लेक्चरर,
लिंकोपिंग यूनिवर्सिटी
स्वीडन

संपादक मंडल

प्रो. गोपीनाथ
(सेवानिवृत्त) प्रमुख एवं डीन,
व्यवसाय प्रशासन विभाग,
डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय

डॉ. प्रिया सोलोमन
एसोसिएट प्रोफेसर,
एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा

डॉ. विजेता सिंह
सहायक प्रोफेसर,
एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा

सुश्री आरती सिंह
पीजीटी वाणिज्य, डीपीएस, नोएडा

श्री मनीष शर्मा
सहायक प्रोफेसर,
एपीजे सत्या यूनिवर्सिटी, गुरूग्राम

डॉ. नंदिता मिश्रा
वरिष्ठ लेक्चरर,
लिंकोपिंग यूनिवर्सिटी, स्वीडन

सुश्री कांता वडेरा
संचार कौशल एवं प्रशिक्षण
सलाहकार, दिल्ली

डॉ. उमा सिंह
प्रोफेसर,
एआरएसडी कॉलेज, डीयू

डॉ. निधि केसरी
सहायक प्रोफेसर,
शहीद सुखदेव कॉलेज ऑफ बिजनेस
स्टडीज, डीयू

डॉ. सोनाली आहूजा दुआ
एसोसिएट प्रोफेसर,
गार्गी कॉलेज, डीयू

सुश्री सोनिया कपूर
पीजीटी व्यवसाय अध्ययन,
एपीजे स्कूल, नोएडा

सुश्री अंशुल खरबंदा
सहायक निदेशक (शैक्षिक)
एनआईओएस

श्री अरुण कुमार सेठी
लेक्चरर वाणिज्य
शिक्षा निदेशालय दिल्ली

श्री राकेश कुमार गुप्ता
लेक्चरर वाणिज्य
शिक्षा निदेशालय दिल्ली

अनुवादक मंडल

डॉ. अभिषेक कुमार सिंह
सहायक प्रोफेसर, पीजीडीएवी कॉलेज, डीयू

श्री विनोद कुमार
वरिष्ठ प्रबंधक, (सेवानिवृत्त) एयर इंडिया

पाठ्यक्रम समन्वयक

सुश्री अंशुल खरबंदा
सहायक निदेशक (शैक्षिक) एनआईओएस

ग्राफिक डिजाइनिंग और डीटीपी

मेसर्स मल्टी ग्राफिक्स
करोलबाग, नई दिल्ली

आपसे दो बातें

प्रिय शिक्षार्थियों,

मैं उच्चतर माध्यमिक स्तर के लिए व्यवसाय अध्ययन के इस पाठ्यक्रम में आपका स्वागत करता हूं। हम सभी जानते हैं कि हमारी रोजमर्रा के जीवन में व्यापार का महत्व क्या है। इससे हमारी आधारभूत आवश्यकताओं की पूर्ति तो होती ही है अपितु हमें सुविधा भी होती है तथा हमारा जीवन सुगम हो जाता है। यह एक गत्यात्मक प्रक्रिया है जो समाज की आवश्यकताओं तथा मांग के अनुरूप परिवर्तित होती है। पूर्व काल के दौरान उपयोग में लाई जाने वाली प्रक्रियाएं तथा अनुसरण किए जाने वाले व्यवहार हमारे आज के आधुनिक युग की तुलना में पूरी तरह से भिन्न हुआ करते थे।अब इसके सम्मुख जोखिम एवं अनिश्चितताएं व्याप्त हैं जो कि पूर्व काल में नहीं हुआ करती थी।आधुनिक प्रौद्योगिकी के उपयोग, सरकारी नीतियों तथा लोगों के उपभोग के तरीकों ने व्यवसाय को अधिक संवेदनशील और विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बना दिया है। तदुनसार, आज के समाज में व्यापार की कार्यप्रणाली को प्रभावित करने वाले कारकों को समझने, विश्लेषण करने, प्रबंधन करने और परिवर्तनों के प्रति प्रतिक्रिया करने के लिए प्रक्रियाबद्ध प्रयास किए जाने अपेक्षित हैं।

उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए, उच्चतर माध्यमिक स्तर पर व्यवसाय अध्ययन के विषय का पाठ्यक्रम इस विचार से तैयार किया गया है कि जब भी विद्यार्थी अपना स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने का निर्णय तो इससे विद्यार्थी व्यवसाय जगत की वास्तविक जीवन स्थितियों का आत्मविश्वास के साथ सामना करने में सक्षम हो सके। आपकी सुविधा के लिए विषय की संपूर्ण शिक्षण सामग्री 6 पाठ्यक्रमों में विभाजित है।

प्रत्येक पाठ्यक्रम में शिक्षक अंकित मूल्यांकन पत्र (टीएमए) के लिए प्रावधान भी किए गए हैं। पहले दो पाठ्यक्रमों में व्यवसाय अध्ययन के लिए आवश्यक समझे गए अनुभवों का वर्णन है। व्यवसाय का परिचय के पाठ्यक्रम में व्यवसाय की प्रकृति एवं कार्यक्षेत्र; समर्थन सेवाएं; व्यवसाय परिवेश, व्यवसाय के स्वरूप तथा व्यवसाय का कम्पनी स्वरूप है जबकि व्यवसाय प्रबंधन एवं क्रियाकलापों के पाठ्यक्रम में प्रबंधन के आधारभूत सिद्धांत; योजना एवं आयोजना, कर्मचारी नियोजन एवं निर्देशन तथा समन्वय एवं नियंत्रण के पाठ शामिल किए गए हैं। तीसरा पाठ्यक्रम आपके लिए तब अधिक उपयोगी होगा जब आपको अपने व्यवसाय के लिए वित्तपोषण की आवश्यकता होगी। इस पाठ्यक्रम में वित्तीय योजना एवं प्रबंधन, वित्तीयन के अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक स्रोत तथा वित्तीय बाजार के पाठ शामिल किए गए हैं।

चौथे पाठ्यक्रम में आपके लिए विपणन, विपणन मिक्स, विज्ञापवन एवं बिक्री की अवधारणा है तथा इस पाठ्यक्रम का समापन उपभोक्ता संरक्षण के विषय पर चर्चा के साथ होता है। पांचवा पाठ्यक्रम आंतरिक एवं बाह्य व्यापार की आवश्यकताओं की पूर्ति के विषय से संबंधित है। इस पाठ्यक्रम से आपको व्यापार के विभिन्न प्रकारों का ज्ञान प्राप्त होगा और आपको विश्व व्यापार संगठन की भूमिका भी ज्ञात हो सकेगी।

छठा पाठ्यक्रम आपके लिए तब अधिक सहायक होगा जब आप रोजगार का निर्णय लेंगे।इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को रोजगार जगत के बारे में जागरूक करना है जिससे कि वे इससे संबंधित ज्ञान के अर्जन के पश्चात या तो अपना स्वयं का व्यवसाय प्रारंभ करने का निर्णय ले सकें या फिर अपनी आजीविका के लिए रोजगार की प्राप्ति करने के मार्ग का चयन कर सकें। अभ्यास के लिए, पुस्तक के अंत में प्रश्न पत्र डिजाइन और अंकन योजना के साथ एक नमूना प्रश्न पत्र प्रदान किया गया है।

आपकी अध्ययन प्रक्रिया को रोचक और उपयोगी बनाने के लिए हमने पृष्ठों का लेआउट परिवर्तित कर दिया है। आपको पाठ में विभिन्न भागों की सामग्री के प्रतीक के रूप में कुछ आकर्षक चिह्न भी देखने को मिलेंगे। इससे संबंधित विवरण - अपने पाठ कैसे पढ़ें- शीर्षक के अंतर्गत अलग से दिए गए हैं। 'करो और सीखो', 'शब्द', 'रोल प्ले' इत्यादि जैसे कुछ नए भाग भी पाठ्यक्रमों में जोड़े गए हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि कि आपको सभी पाठ एवं उनकी अभिमुखता रोचक लगेगी तथा आप इनसे प्राप्त ज्ञान को अपने वास्तविक जीवन की स्थितियों में उपयोग में लाने में सक्षम होंगे। इसलिए इस पाठ्यक्रम के सभी पाठों को ध्यान से पढ़ें और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा के लिए तैयार रहें। यदि आपको अपनी पढ़ाई में कोई कठिनाई आती है, तो कृपया किसी प्रकार की झिझक के बिना मुझे लिखें। आपके सुझाव हमारे लिए मूल्यवान हैं।

शुभकामनाओं तथा अध्ययन में सफलता की प्राप्ति की कामना के साथ

- पाठ्यक्रम समन्वयक

पाठ्य सामग्री को कैसे पढ़ें

बधाई हो! आपने स्वयं-शिक्षार्थी बनने की चुनौती स्वीकार कर ली है। इसका मतलब है, आपको अपना अध्ययन व्यवस्थित करना होगा, नियमित रूप से सीखना होगा, अपनी प्रेरणा बनाए रखनी होगी और अपने लक्ष्य को प्राप्त करना होगा। यहां केवल आप ही हैं, जो आपके सीखने के लिए जिम्मेदार हैं। एनआईओएस हर कदम पर आपके साथ है। एनआईओएस ने केवल आपको ध्यान में रखते हुए मनोविज्ञान की सामग्री विकसित की है। स्वतंत्र शिक्षा का समर्थन करने वाले एक प्रारूप का पालन किया गया है। यदि आप नीचे दिए गए निर्देशों का पालन करते हैं तो आप इस सामग्री से सर्वोत्तम लाभ ले सकते हैं।

शीर्षक: भीतर दी गयी सामग्री के बारे में एक स्पष्ट संकेत देगा। इसे पढ़ें

परिचय: यह आपको दिये गए पाठ को पिछले पाठ से जोड़ने वाले संबंध से परिचित कराएगा।

अधिगम के प्रतिफल: ये ऐसे कथन हैं जो बताते हैं कि आपको पाठ से क्या सीखने की उम्मीद है। उद्देश्य आपको यह जांचने में भी मदद करेंगे कि आपने पाठ को पढ़ने के बाद क्या सीखा है। उन्हें जरूर पढ़ें।

टिप्पणियाँ (नोट्स): प्रत्येक पृष्ठ में एक ओर हाशिये में खाली जगह दी गयी है, जहाँ आप महत्वपूर्ण बिंदु लिख सकते हैं या नोट्स बना सकते हैं।

पाठगत प्रश्न: प्रत्येक खंड के बाद बहुत ही लघु उत्तरीय स्वयं जांच करने हेतु प्रश्न पूछे गए हैं, जिनके उत्तर पाठ के अंत में दिए गए हैं। ये आपको अपनी प्रगति की जांच करने में मदद करेंगे। उन्हें हल करें। सफल समापन आपको यह तय करने में सहायता करेगा कि आगे बढ़ना है या वापस जाना है अथवा फिर से सीखना है।

आपने क्या सीखा: यह पाठ के मुख्य बिंदुओं का सारांश है। यह इन बिंदुओं की पुनरावृत्ति तथा पाठ को दोहराने में मदद करेगा। कई स्थान पर इन्हें चित्रात्मक प्रस्तुति के रूप में दिया गया है।

पाठांत प्रश्न: ये दीर्घ और लघु उत्तरीय प्रश्न हैं जो पूरे विषय की स्पष्ट समझ के लिए अभ्यास करने का अवसर प्रदान करते हैं।

क्या आप जानते हैं: यह बॉक्स अतिरिक्त जानकारी प्रदान करता है। बॉक्स में दी गयी पाठ्य सामग्री महत्वपूर्ण है और इसका अध्ययन ध्यानपूर्वक करने की आवश्यकता है। यह मूल्यांकन के लिए नहीं है, बल्कि केवल आपके सामान्य ज्ञान में सुधार करने के लिए है।

उत्तरमाला: ये आपको यह जानने में मदद करेंगे कि आपने प्रश्नों का सही उत्तर दिया है।

क्रियाकलाप: अवधारणा की बेहतर समझ के लिए कुछ क्रियाकलापों का सुझाव दिया गया है।

पाठ्यक्रम : एक दृष्टि

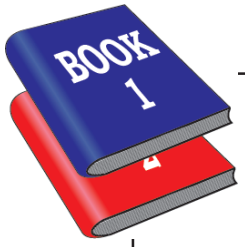

मॉड्यूल	पाठ
1. व्यवसाय का परिचय	
	1. व्यवसाय की प्रकृति एवं क्षेत्र
	2. व्यवसाय सहायता सेवाएं
	3. व्यावसायिक वातावरण
	4. व्यावसायिक संगठनों के प्रकार
	5. व्यवसाय संगठन का कम्पनी स्वरूप
2. व्यवसाय प्रबंधन और इसके कार्य	
	6. प्रबंधन के मूल सिद्धांत
	7. नियोजन और संगठन
	8. नियुक्तिकरण एवं निर्देशन
	9. समन्वय एवं नियंत्रण
3. वित्तीय निर्णय	
	10. वित्तीय योजना एवं प्रबंधन
	11. वित्त के अल्पकालिक स्रोत
	12. व्यापार वित्त के दीर्घकालिक स्रोत
	13. वित्तीय बाजार

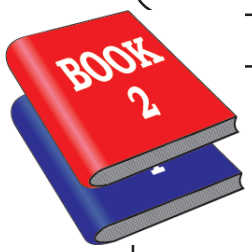

मॉड्यूल	पाठ
4. विपणन	
	14. विपणन (मार्केटिंग) का परिचय
	15. विपणन (बाजार) मिश्रण
	16. विज्ञापन और विक्रय
	17. उपभोक्ता संरक्षण
5. व्यापार	
	18. आन्तरिक व्यापार
	19. बाह्य व्यापार
6. व्यवसाय में जागरूकता और रोजगार	
	20. स्व-रोजगार
	21. नौकरी/रोजगार
	22. कौशल विकास
	23. व्यवसाय की आधुनिक विधियां

विषय-सूची

मॉड्यूल	पाठ		पृष्ठ संख्या
1. व्यवसाय का परिचय			
	1.	व्यवसाय की प्रकृति एवं क्षेत्र	01-29
	2.	व्यवसाय सहायता सेवाएं	30-75
	3.	व्यावसायिक वातावरण	76-103
	4.	व्यावसायिक संगठनों के प्रकार	104-135
	5.	व्यवसाय संगठन का कम्पनी स्वरूप	136-183
2. व्यवसाय प्रबंधन और इसके कार्य			
	6.	प्रबंधन के मूल सिद्धांत	184-211
	7.	नियोजन और संगठन	212-239
	8.	नियुक्तिकरण एवं निर्देशन	240-280
	9.	समन्वय एवं नियंत्रण	281-294
3. वित्तीय निर्णय			
	10.	वित्तीय योजना एवं प्रबंधन	295-331
	11.	वित्त के अल्पकालिक स्रोत	332-348
	12.	व्यापार वित्त के दीर्घकालिक स्रोत	349-371
	13.	वित्तीय बाजार	372-401
	पाठ्यचर्या		i-viii

पाठ्यक्रम का विभाजन

पाठों की कुल संख्या - 23

मॉड्यूल संख्या और नाम	I. टीएमए (TMA) (40%) पाठों की संख्या-9	II. सार्वजनिक परीक्षा (50%) पाठों की संख्या-14
1. व्यवसाय का परिचय	पाठ-1 : व्यवसाय की प्रकृति एवं क्षेत्र पाठ-2 : व्यवसाय सहायता सेवाएं पाठ-4 : व्यावसायिक संगठनों के प्रकार	पाठ-3 : व्यावसायिक वातावरण पाठ-5 : व्यवसाय संगठन का अपनी स्वरूप
2. व्यवसाय प्रबंधन और इसके कार्य	पाठ-6 : प्रबंधन के मूल सिद्धांत	पाठ-7 : नियोजन और संगठन पाठ-8 : नियुक्तिकरण एवं निर्देशन पाठ-9 : समन्वय एवं नियंत्रण
3. वित्त व्यापार	पाठ-11 : वित्त के अल्पकालिक स्रोत	पाठ-10 : वित्तीय योजना एवं प्रबंधन पाठ-12 : व्यापार वित्त के दीर्घकालिक स्रोत पाठ-13 : वित्तीय बाजार
4. विपणन	पाठ-14 : विपणन (मार्केटिंग) का परिचय पाठ-17 : उपभोक्ता संरक्षण	पाठ-15 : विपणन (बाजार) मिश्रण पाठ-16 : विज्ञापन और विक्रय
5. व्यापार		पाठ-18 : आन्तरिक व्यापार पाठ-19 : बाह्य व्यापार
6. व्यवसाय में जागरूकता और रोजगार	पाठ-21 : नौकरी रोजगार पाठ-23 : व्यवसाय की आधुनिक विधियां	पाठ-20 : स्व-रोजगार पाठ-22 : कौशल विकास